

अदाणी, अंबानी के बाद टाटा ग्रुप भी धुरियापार में करेगा निवेश टाटा पावर लगाएगी 100 मेगावाट का सोलर प्लांट

उद्योग

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। लिंक एक्सप्रेस-वे के सटकर विकसित हो रहे धुरियापार औद्योगिक कारिडोर में अदाणी, अंबानी के बाद टाटा कंपनी भी सोलर पावर प्लांट लगाने की तैयारी में है। गीडा की तरफ से कंपनी के प्रतिनिधियों को धुरियापार में जमीन दिखा दी गई है। 100 मेगावाट के सोलर प्लांट पर टाटा पावर की तरफ से करीब 800 करोड़ का निवेश संभावित है। प्लांट से सालाना 20 करोड़ यूनिट बिजली के उत्पादन होने की संभावना है।

टाटा पावर कंपनी से जुड़े प्रतिनिधियों ने पिछले सप्ताह धुरियापार में गीडा के अधिकारियों की मौजूदगी में जमीन देखी थी। कंपनी को सोलर प्लांट के लिए करीब 500 एकड़ जमीन चाहिए। गीडा के जिम्मेदारों के मुताबिक, टाटा को जनवरी तक जमीन मुहैया कराई जा सकती है। निवेश को लेकर टाटा की तरफ से जो प्रस्तावित प्रस्ताव है उसके

08 सौ करोड़ रुपये का निवेश पावर प्रोजेक्ट में करने की तैयारी में टाटा

20 करोड़ यूनिट सालाना उत्पादन का कंपनी ने तय किया है लक्ष्य

66 टाटा पावर के प्रतिनिधियों को धुरियापार में जमीन दिखाई गई है। उन्हें 500 एकड़ जमीन की आवश्यकता है। धुरियापार में जमीन अधिग्रहण तेजी से चल रहा है। टाटा को उनकी जरूरतों के हिसाब से जमीन मुहैया कराई जाएगी।
- राम प्रकाश, एसीईओ, गीडा

6876 एकड़ में विकसित हो रही धुरियापार टाउनशिप

धुरियापार इंडस्ट्रियल टाउनशिप को 6876 एकड़ में विकसित किया जा रहा है। इस इंडस्ट्रियल टाउनशिप के पहले फेज में गीडा द्वारा 800 एकड़ भूमि को अधिग्रहित कर उसे इंडस्ट्री की डिमांड के अनुरूप विकसित किया जा रहा है। टाउनशिप में अडानी समूह ने अंबुजा सीमेंट की यूनिट के लिए 46.63 एकड़ जबकि श्रेयश डिस्टिलरी-एनर्जी लिमिटेड ने 60.48 एकड़ भूमि आवंटित कराई है। इन दोनों भूमि आवंटन के सापेक्ष 4200 करोड़ रुपये का निवेश आना और 6500 लोगों के लिए रोजगार सृजन प्रस्तावित है। इसके अलावा रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने 300 करोड़ रुपये के निवेश से कैम्पा कोला कोल्ड ड्रिंक ब्रांड की यूनिट लगाने के लिए इसी इंडस्ट्रियल टाउनशिप में करीब 50 एकड़ जमीन पसंद की है।

मुताबिक, कंपनी 500 एकड़ में 100 मेगा वाट का सोलर प्लांट लगा सकती है। कंपनी की तरफ से करीब 800 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव है। सोलर प्लांट से 20 करोड़ यूनिट बिजली का

उत्पादन हर साल हो सकता है। सोलर प्लांट से न सिर्फ प्रदेश ऊर्जा को लेकर आत्मनिर्भर होगा, बल्कि इस प्लांट से 300 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिल सकता है।